

डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 4, अनुवाद के चरण

© 2024 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन द्वारा बाइबल अनुवाद पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 4 है, अनुवाद के चरण।

इस वार्ता में, मैं अनुवाद प्रक्रिया की बड़ी तस्वीर पर चर्चा करना चाहूँगा और यह कैसे दिखता है, विभिन्न चरण क्या हैं, प्रत्येक चरण में क्या किया जाता है, ताकि हमें पूरी प्रक्रिया की एक बड़ी तस्वीर मिल सके और फिर हम अन्य वार्ताओं में कुछ अधिक विशिष्ट बातों पर चर्चा कर सकें।

तो, सबसे पहले, एक अच्छे अनुवाद के गुणों को याद रखें। चार गुण हैं सटीक, स्वाभाविक, क्षमा करें, सटीक, और कुछ भी नहीं जोड़ा गया, इसलिए कोई नई जानकारी नहीं है। कभी-कभी हमें आवश्यकतानुसार निहित जानकारी जोड़ने की आवश्यकता होती है, लेकिन यह पाठ में जानकारी जोड़ना नहीं है।

ऐसा कुछ भी नहीं है जो वहाँ होना चाहिए। हम अनावश्यक रूप से यह नहीं कह सकते कि, मुझे नहीं लगता कि यह आवश्यक है, और हम इसे हटा देते हैं। हमें ऐसा करने की स्वतंत्रता नहीं है।

और साथ ही, कुछ भी नहीं बदला है। कुछ भी नहीं बदला है। दूसरी बात, हम सामान्य, स्वाभाविक भाषा का उपयोग करते हैं।

यह सुंदर है, और स्वाहिली में सफ़ी का मतलब साफ़ होता है, लेकिन आप कह सकते हैं कि यह सफ़ी का अनुवाद है। यह साफ़ है। यह अच्छा लगता है।

यह बहुत बढ़िया है। स्पष्ट रूप से समझा गया, और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि अगर हम उस जगह तक संवाद नहीं करते जहाँ कोई समझता है, तो क्या हमने अपना काम पूरा कर लिया है? और चौथा पाठक के लिए सुलभ है। और उदाहरण के तौर पर, स्वाहिली में, हमारे पास दो शब्द हैं जिनका अर्थ कहानी है, जैसा कि यह था।

हदीस है, और हबरी है। इसलिए, यदि आप कहते हैं कि यह यीशु की हदीस है, तो आपको सोचना होगा, ठीक है, स्वाहिली में इस शब्द का क्या अर्थ है? और हदीस का अर्थ काल्पनिक होता है। इसलिए, यदि आप कहते हैं कि यह यीशु के बारे में हदीस है, तो यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में नहीं हुआ।

इसलिए, हमें सावधान रहने की ज़रूरत है। क्या यह एक स्वीकार्य अनुवाद होगा? और अगर हम बस यह सोचें कि, ठीक है, हदीसी का मतलब कहानी है, कहानी को हर जगह काम करना चाहिए जहाँ हम अंग्रेजी शब्द कहानी का उपयोग करते हैं, तो क्या यह वास्तव में स्वीकार्य होगा? क्या यह धर्मग्रंथों के बारे में उस स्तर की गंभीरता को संप्रेषित करेगा जो हम चाहते हैं कि उनमें हो? मेरा सुझाव है कि नहीं, ऐसा नहीं है। और इसलिए, हबरी शब्द का अर्थ समाचार है।

तो, आप अखबार में हबरी पढ़ते हैं, आप टीवी पर हबरी देखते हैं, या आप इसे रेडियो पर सुनते हैं, और यह एक अभिवादन भी है जब आप किसी को देखते हैं तो आप हबरी कहते हैं। दूसरे शब्दों में, आपके साथ क्या खबर है? आपके साथ क्या चल रहा है? इसलिए, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि हम इसे शुरू में ही स्पष्ट कर दें ताकि यह गलत न हो, इसलिए यह उन्हें गलत समझ में न ले जाए। और हमें इसके साथ बहुत सावधान रहना होगा।

और यहाँ एक उदाहरण है, स्वाहिली में सिर्फ एक शब्द जो किसी व्यक्ति की उस शास्त्र के बारे में धारणा बदल सकता है जिसे वह पढ़ रहा है। तो, क्या यह अब्राहम की हदीस है? इसका मतलब है कि अब्राहम कभी अस्तित्व में नहीं था। ठीक है, या जो घटना बताई जा रही है वह वास्तव में घटित नहीं हुई थी।

ठीक है, तो एक बार जब हम कहते हैं, ठीक है, ये हमारे अच्छे अनुवाद के गुण हैं, तो अब, हम इसे व्यवहार में कैसे ला सकते हैं? तो, अनुवाद में कदम। जाहिर है, पहला कदम पाठ की व्याख्या करना है। तो, हम पाठ की समझ विकसित करते हैं।

अक्सर, हम अनुवाद टीम में एक साथ बैठते हैं, और हम अर्थ के बारे में बात करते हैं, और फिर हमें पाठ के उद्देश्य के बारे में कुछ जानकारी मिलती है। और हम अर्थ को आत्मसात करते हैं, और फिर हम पहला मसौदा तैयार करते हैं। और वह पहला मसौदा, फिर, उनकी भाषा में इसे व्यक्त करने का पहला प्रयास है।

कभी-कभी, आप एक समान भाषा से शास्त्रों का उपयोग कर सकते हैं, जैसे, उदाहरण के लिए, स्वाहिली, और वे इसे अपने मसौदे के आधार के रूप में उपयोग कर सकते हैं। और इसलिए, एक प्रारंभिक अनुवाद एक सरलीकृत है, या यह एक अनुवादित पाठ है जो मातृभाषा में अनुवाद करने का आधार है। ठीक है, तो वैसे भी, आप यह पहला मसौदा तैयार करते हैं, और फिर पहली बात जो आप करते हैं वह यह है कि आप जांचते हैं, ठीक है, क्या हमने सही काम किया है? फिर, आप मसौदे को शाब्दिक अनुवाद के साथ तुलना करते हैं, जितना संभव हो सके शाब्दिक, क्योंकि शाब्दिक अनुवाद ग्रीक या हिब्रू के जितना संभव हो सके उतना करीब से प्रतिबिंबित होगा।

यदि आप ग्रीक जानते हैं, या यदि आप हिब्रू जानते हैं, तो आप हिब्रू या ग्रीक के साथ सटीकता की जांच कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप ESV, या NASB जैसी किसी चीज़ को शाब्दिक संस्करण के रूप में चुनें, जिससे आप अपने अनुवाद की तुलना कर सकें। और आप खोज रहे हैं, याद रखें कि सटीकता क्या है।

क्या हमने कुछ छोड़ दिया? क्या हमने कुछ ऐसा जोड़ा जो नहीं होना चाहिए था? या क्या हमने कोई ऐसी जानकारी बदली जो इसे सटीक नहीं बनाती? इसलिए, हम इसकी जांच करते हैं। और फिर आप तदनुसार संशोधन करते हैं। तो, आपके पास दूसरा ड्राफ्ट तैयार है।

फिर, आप अपनी टीम के किसी व्यक्ति को अपने मसौदे को देखने के लिए कहते हैं, और वह व्यक्ति कहता है, ठीक है, यह अच्छा है। पद दो में शब्द, मैंने इसे इस तरह कहा हो सकता है। पद तीन में, मैंने इसे उस तरह कहा हो सकता है।

वे सभी अलग-अलग अंशों से गुजरते हैं। आम तौर पर, आप एक बार में एक अध्याय के लिए ऐसा करते हैं। और शायद एक व्यक्ति एक अध्याय के लिए जिम्मेदार होता है।

किसी दूसरे व्यक्ति को दूसरे अध्याय की जिम्मेदारी दी जा सकती है। लेकिन विचार यह है कि इसे एक-दूसरे को दिया जाए। आप काम की अदला-बदली करते हैं, अपना काम उनके साथ और उनका काम आपके साथ।

और फिर, आपको इस पर प्रतिक्रिया मिलती है। और हम वास्तव में प्रतिक्रिया के बिना नहीं कर सकते। हमें वास्तव में कई अन्य लोगों से प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

यह पहला कदम है। और इसलिए, आप इसे पूरा पढ़ें। आप सुझावों को अपनाएँ।

आप इसे संशोधित करते हैं। और आप तीसरा ड्राफ्ट बनाते हैं। और इस तरह, आप इसे अब तक तीन बार पढ़ चुके हैं।

रफ ड्राफ्ट, पहला ड्राफ्ट, फिर सटीकता, और फिर यह। फिर, दूसरी चीज़ जो हम करते हैं वह यह है कि आप यहाँ एक और सटीकता जाँच करें। जब आप किसी वाक्य या पद्य में कुछ बदलते हैं, तो कभी-कभी आप कुछ छोड़ सकते हैं।

आप कुछ छोड़ सकते हैं। आप कुछ ऐसा बदल सकते हैं जिसे आप बदलना नहीं चाहते थे। और इसलिए, आप सटीकता की जाँच करते हैं।

अब, आप देखेंगे कि ये सभी वृत्त हरे रंग के हैं। यहाँ ये सभी चरण, अनुवाद कार्यालय के भीतर होते हैं। यह टीम आंतरिक प्रसंस्करण, टीम आंतरिक उत्पादन, टीम आंतरिक जाँच है।

और याद रखें कि हम इन सबमें क्या जाँच रहे हैं। सटीकता। लेकिन हम यह भी जाँच रहे हैं कि जब आप टीम के सदस्यों से बात करते हैं, तो क्या यह स्वाभाविक भाषा है? क्या यह वैसा ही है जैसा हम आमतौर पर बोलते हैं? क्या यह स्पष्ट है, या यह समझने योग्य है? क्या आपको लगता है कि इसे पढ़ने वाले लोग इसे समझ पाएँगे? ठीक है।

तो, हरा रंग अनुवाद टीम के भीतर किए गए हर काम को दर्शाता है। यह किसी बाहरी व्यक्ति को दिए जाने से पहले है। तो, आपने अपना होमवर्क कर लिया है।

आपने जितना संभव हो सके उतना गहनता से काम किया है। और फिर, आप अगले चरण में जाते हैं। और नीला रंग फीडबैक चरण को दर्शाता है।

और इसलिए, पहली चीज़ जो आप करते हैं, उसे हम सामुदायिक परीक्षण कहते हैं। तो, इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि हम समुदाय में से दो लोगों को बाहर निकालते हैं। यह एक व्यक्ति भी हो सकता है।

यह लोगों के एक समूह के साथ बैठकर किया जा सकता है। और आप या तो इसे उनके सामने जोर से पढ़ते हैं या किसी और से इसे जोर से पढ़ने के लिए कहते हैं। और फिर, आप विषय-वस्तु से जुड़े सवाल पूछते हैं।

सबसे पहले, क्या आप हमें बता सकते हैं कि आपके अपने शब्दों में इसका क्या मतलब है? और यह यीशु के बारे में एक कहानी है। वह एक दृष्टान्त बता रहे हैं। और आप कहते हैं, इसे अपने शब्दों में कहें।

यीशु ने क्या कहा? और फिर, वे इसे आपको वापस सुनाते हैं। और इसे वापस सुनाते समय, आप बता सकते हैं, क्या वे कुछ भूल गए? क्या वे इसे पढ़ते समय भूल गए? क्या उन्होंने इसमें कुछ ऐसा जोड़ा जो वहाँ नहीं होना चाहिए था? और इसलिए, यह जाँचने का एक तरीका है, क्या यह समझने योग्य है? और जाँचने का एक तरीका है, क्या यह स्वाभाविक भाषा है? यह वह तरीका है जिससे हम आम तौर पर बोलते हैं। तो, यह एक बात है : क्या आप कहानी के टुकड़ों की बड़ी तस्वीर समझ सकते हैं? फिर, आपके पास एक सवाल हो सकता है।

आप जानते हैं, हम बपतिस्मा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द के बारे में निश्चित नहीं थे। यह वह शब्द है जिसका हमने इस्तेमाल किया। जब आपने इसे पढ़ा, तो क्या आपको यह शब्द समझ में आया? नहीं, वास्तव में नहीं।

मैं तो बस इसे छोड़ कर चला गया। ओह, ठीक है। खैर, बपतिस्मा के लिए एक अच्छा शब्द खोजने में हमारी मदद करें।

और इसलिए, आप समुदाय के लोगों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। आप युवा और वृद्ध, पुरुष और महिला, विवाहित और अविवाहित सभी से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, ताकि आप समुदाय के लोगों की अच्छी तस्वीर प्राप्त करने का प्रयास कर सकें। क्या वे अनुवाद में कहीं गई बातों को समझ पाते हैं? इसलिए, आप स्वाभाविकता और समझ की जाँच करने का प्रयास कर रहे हैं।

और आप सिर्फ एक या दो लोगों के लिए काम नहीं करते। आप जितने ज़्यादा लोगों के लिए काम कर सकते हैं, करते हैं ताकि आपको लोगों की एक विस्तृत श्रृंखला मिल सके। और फिर, यह प्रतिशत की बात है।

अगर कोई खास अंश 70% या 80% लोगों को समझ में आ गया, तो उन्हें समझ में आ गया। और शायद 20% या 30% लोग इसे ठीक से समझ नहीं पाए। हम शायद ठीक हैं, लेकिन हम एक नोट बनाते हैं, उन्हें समझने में मदद करने के लिए इसमें किसी तरह का फुटनोट या किसी तरह का व्याख्यात्मक नोट होना चाहिए।

अगर यह 50-50 है, तो शायद कोई समस्या है जिसे बदलने की ज़रूरत है। इसलिए, जब आप अलग-अलग समुदायों के अलग-अलग लोगों से प्रतिक्रिया प्राप्त कर लेते हैं, तो आप अनुवाद कार्यालय में वापस जाते हैं और इसे फिर से संशोधित करते हैं। और आप देखते हैं, हाँ, हमें चीजों को बदलने की ज़रूरत थी क्योंकि यह नहीं हो रहा था, और इसलिए आप इसे फिर से बदलते हैं।

और फिर, जब आप बदलाव करते हैं, तो हर बार जब आप कोई बड़ा बदलाव करते हैं, तो आप हमेशा सटीकता की दोबारा जांच करते हैं, बस यह सुनिश्चित करने के लिए दोबारा जांच करते हैं। अगला चरण तब होता है जब आपके पास एक सलाहकार होता है जो आपके काम को देखने आता है। और मैं एक मिनट में बताऊंगा कि सलाहकार क्या होता है।

लेकिन सलाहकार जाँच तब होती है जब कोई बाहरी व्यक्ति आता है, और वह आपके अनुवाद को देखता है कि यह सटीक है या नहीं। इसलिए, सलाहकार का मुख्य कार्य लोगों को यह सुनिश्चित करने में मदद करना है कि पाठ सटीक है। और आमतौर पर, एक सलाहकार ग्रीक और हिब्रू जानता है। फिर एक सलाहकार इस अनुवाद को कैसे पढ़ सकता है यदि वे उस भाषा को नहीं बोलते हैं? खैर, हमारे पास वह है जिसे हम बैक ट्रांसलेशन कहते हैं।

तो, मान लीजिए, उदाहरण के लिए, तंजानिया में, अनुवादक स्वाहिली बाइबिल पढ़ते हैं, और फिर वे इसे अपनी भाषा मलीला में अनुवाद करते हैं। अगर मैं मलीला नहीं बोलता तो मैं उनका अनुवाद कैसे पढ़ूंगा? खैर, फिर वे मुझे अपने अनुवाद का स्वाहिली में अनुवाद देते हैं। तो, वे मुझे अपना स्वाहिली अनुवाद देते हैं, और फिर मैं स्वाहिली पढ़कर कह सकता हूँ, ओह, मलीला पाठ का यही अर्थ है।

तो, बैक ट्रांसलेशन का मतलब है उस भाषा में वापस जाना जिससे उन्होंने शुरुआत की थी। और फिर उसके बाद, आपके पास अंतिम सुधार होते हैं। कुछ मामलों में, अगर कोई चर्च है, तो अंतिम सुधार करने से पहले, आप इसे चर्च के नेताओं के पास ले जाना चाहेंगे और चर्च के नेताओं का एक समूह बनाना चाहेंगे।

हम इसे समीक्षक की जाँच कहते हैं। और आप शायद 10, 20 पादरी, चर्च के बुजुर्ग, समुदाय में सम्मानित अन्य लोगों से मिलते हैं, और आप उनके साथ बैठते हैं, और आप अनुवाद को पढ़ते हैं, और आप आमतौर पर अनुवाद का एक बड़ा हिस्सा करते हैं, जैसे कि मार्क की पूरी किताब, या मार्क के पहले आठ अध्याय। या आप तीतुस, तीमुथियुस, पहला और दूसरा तीमुथियुस कर सकते हैं, और तीतुस करना एक अच्छा हिस्सा होगा।

आपको इसे एक साथ पूरा पढ़ने की ज़रूरत है। और उनका इनपुट स्वाभाविकता के पक्ष में है। क्या हम उन शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं जो हम आमतौर पर चर्च में इस्तेमाल करते हैं? क्या हम उन वाक्यांशों का उपयोग कर रहे हैं जिनसे हम परिचित हैं और जिन्हें हम अनुवाद में बनाए रखना चाहते हैं? तो, यह वास्तव में सलाहकार जाँच से पहले या सलाहकार जाँच के बाद आएगा।

और इसके लिए दो बातें हैं। सबसे पहले, आप उनकी प्रतिक्रिया चाहते हैं, क्योंकि उनकी प्रतिक्रिया बहुत, बहुत मूल्यवान है। और जब वे अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, तो अनुवाद टीम को उनकी प्रतिक्रिया लेना अच्छा होगा।

और उनकी प्रतिक्रिया लेने से उन्हें ऐसा महसूस होता है कि इस अनुवाद में उनकी भी हिस्सेदारी है, कि उन्होंने इस अनुवाद में मदद की है, और यह अनुवाद टीम का अनुवाद नहीं, बल्कि हमारा अनुवाद बन जाता है। हम अपने अनुवादकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वे वहां कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

हम उनकी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। यह हमारा अनुवाद है। यह हमारी भाषा है।

यह हमारे चर्च के लोगों के लिए है। और इसलिए, समीक्षकों से इस पर सहमति प्राप्त करना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, चाहे यह सलाहकार जाँच से पहले हो या सलाहकार जाँच के बाद, ऐसा होना चाहिए, खासकर अगर वहाँ एक ईसाई समुदाय है।

अगर कोई ईसाई समुदाय नहीं है, और मैंने यह काम गैर-ईसाई समुदाय में किया है, तो भी मैंने लोगों का एक समूह इकट्ठा किया, और फिर भी हम आगे बढ़े और पाठ को पढ़ा और उसी तरह के सवाल पूछे। तो, अच्छे अनुवाद के हमारे तीन मुख्य गुण हैं- सटीकता, स्वाभाविकता, स्पष्टता और फिर स्वीकार्यता। इसलिए, सलाहकार द्वारा सटीकता की जाँच की जाती है।

उन्हें अक्सर अनुवाद और कई तरह की भाषाओं का ज़्यादा ज्ञान होता है। वे शायद ग्रीक और हिब्रू जानते हों, जबकि अनुवाद करने वाली टीम को शायद न पता हो।

वे बहुत अधिक ज्ञान और बुद्धि जोड़ सकते हैं क्योंकि उनके पास वर्षों का अनुवाद अनुभव है, न केवल यह पहचानने पर कि कोई समस्या है, बल्कि फिर अनुवाद टीम सलाहकार की ओर देखती है। तो, हम इस बारे में क्या करते हैं? यह एक बार हुआ जब मैं तंजानिया में एक टीम के साथ परामर्श कर रहा था, और प्रशिक्षण में एक युवा अनुवाद सलाहकार मेरे साथ था। हम तीमुथियुस की पुस्तक पढ़ रहे थे, और हम बारी-बारी से पढ़ते थे।

मैं एक अध्याय करता, और फिर वह एक अध्याय करता। मैं एक अध्याय करता, और फिर वह एक अध्याय करता। तो, हम इस एक अध्याय से गुजर रहे थे, और वह चर्चा का नेतृत्व कर रहा था, और मैं देख रहा था।

वे इस एक श्लोक पर आए, और सलाहकार प्रशिक्षु ने कहा, मुझे लगता है कि यह श्लोक मूल में जो अर्थ है, उसे व्यक्त नहीं करता है। फिर उन्होंने कहा, ठीक है, चलो इसे देखते हैं, और इसलिए उन्होंने इस संस्करण को देखा, और उस संस्करण को, और स्वाहिली में उस संस्करण को देखा, और वह उन्हें समझा रहा था, यह वास्तव में इस श्लोक के पीछे का अर्थ है, और अगर हम आपके अनुवाद को देखें, तो आपका अनुवाद कुछ अलग कहता है। ओह, ठीक है, बढ़िया।

इसलिए, उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया कि यह कुछ ऐसा था जिस पर उन्हें काम करने की ज़रूरत थी। उन्हें इसे बदलने, इसे संपादित करने और इसे अलग बनाने की ज़रूरत थी, और उन्होंने कहा, आप जानते हैं, हम अभी कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं। हमें कोई आइडिया नहीं है।

हम जानते हैं कि आपने जो कहा, वह कहता है, और हम जानते हैं कि हमने कहाँ से शुरुआत की, लेकिन हम नहीं जानते कि इसे इस तरह कैसे कहा जाए, और उसने सोचा, और उसने उस पर गौर किया, और उसने कहा, हे भगवान, मुझे भी कुछ नहीं सूझ रहा। तो, उसने कहा, जॉर्ज, क्या तुम्हारे पास कोई विचार है? और मैंने कहा, ठीक है, तुम्हें पता है, केन्या में यह एक भाषा है, उन्हें भी यही समस्या थी, और उन्होंने यही किया। ओह, ठीक है, हाँ, हम यहाँ अपनी भाषा में ऐसा कर सकते हैं।

यह बिल्कुल वैसा ही नहीं है। हालाँकि, यह काफी हद तक समान है। वे एक समान भाषा और एक समान भाषा परिवार थे, और इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं प्रतिभाशाली हूँ, लेकिन तथ्य यह है कि मुझे अन्य समान भाषाओं के साथ अनुवाद का अनुभव था, उसी पुस्तक पर काम करते हुए, तब मैं एक ऐसे तरीके से योगदान करने में सक्षम था जिसने वास्तव में टीम की मदद की।

तो, यही वह चीज है जिसके लिए लोग सलाहकार की ओर देखते हैं, क्या यह सलाह है कि अंतिम संपादन कैसे करें जो वास्तव में सटीक हो, और फिर स्वाभाविकता, और स्पष्टता, और समुदाय से हमें जो स्वीकार्यता मिलती है, और हम यह समुदाय परीक्षण के माध्यम से करते हैं, और हम समीक्षकों के साथ ऐसा करते हैं, और विशेष रूप से समीक्षकों के साथ, यहीं से हमें सहमति मिलती है, और यदि सहमति है, तो स्वीकार्यता है। ठीक है, तो जब यह सभी जाँचों से गुज़रता है, और फिर अंतिम सुधार किए जाते हैं, तो आप सभी प्रूफरीडिंग करते हैं, और आप संगतता की जाँच करते हैं। क्या हमने हर बार एक ही चीज़ का एक ही तरह से अनुवाद किया? यदि इसकी आवश्यकता थी, और फिर आपने पुस्तक डिज़ाइन की, इसे प्रूफरीड किया, और फिर इसे प्रकाशित किया, और यही अनुवाद की प्रक्रिया है?

मैं इस बारे में थोड़ी बात करना चाहता था कि कैसे कभी-कभी आप जानबूझकर एक फ्रंट ट्रांसलेशन तैयार करते हैं, और एक फ्रंट ट्रांसलेशन एक ऐसा अनुवाद होता है जिसका वे अनुवाद करते हैं यदि यह वास्तविक बाइबिल पाठ नहीं है और पहली चीज़ों में से एक है, इसलिए आप एक इंटरलिंगुअल अनुवाद करते हैं जिसे आसानी से अनुवाद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उदाहरण के लिए, जब मैं पहली बार शुरू कर रहा था, हम उत्पत्ति की पुस्तक का अनुवाद कर रहे थे, और मेरा अनुवादक नौकरी में नया था; वह निश्चित नहीं था, हे भगवान, मैं यह कैसे कर सकता हूँ? मैं कैसे शुरू करूँ? तो, हम एक साथ अंश पढ़ते थे, और फिर मैंने कहा, ठीक है, मुझे इस अनुच्छेद का अनुवाद करने दो, और तुम अनुच्छेद का अपना अनुवाद करो, और इसलिए हमने ऐसा किया, और फिर हमने नोट्स की तुलना की, और हमने पाया कि मेरी जानकारी सही थी, और उसका व्याकरण सही था, इसलिए हमें इसे एक साथ मिलाना पड़ा, और फिर मैंने सोचा, ठीक है, क्यों न मैं इसका एक सरलीकृत अंग्रेजी लिखूँ, और हमने वास्तव में कहा, ठीक है, उत्पत्ति की वास्तविक पुस्तक का अनुवाद करने से पहले, चलो उत्पत्ति में बाइबिल की कहानियाँ करते हैं, इसलिए हम बाइबिल की कहानियाँ कर रहे हैं, हमारे पास थोड़ा अधिक लचीलापन है, लेकिन फिर मैंने अब्राहम के जीवन के बारे में ये विशाल 12 अध्याय चुने, और मैंने

कहा, ठीक है, चलो अब्राहम के जीवन के इस हिस्से के बारे में बात करते हैं, और मैंने एक सरलीकृत अंग्रेजी लिखी, क्योंकि जब हमने अध्याय को पढ़ा, जैसे कि यह बाइबिल से था, तो उसे जानकारी उतनी जल्दी नहीं मिल रही थी जितनी वह चाहता था, इसलिए मैंने एक सरलीकृत अंग्रेजी लिखी, और वह कहता है, ओह, ठीक है, मुझे यह मिल गया, और इसलिए हमने उस सरलीकृत अंग्रेजी का उपयोग करके इसे ओरमा में अनुवाद किया, जिस भाषा में हम जा रहे थे और यह बहुत तेजी से हुआ, फिर मुझे अपना हिस्सा करने के उस मध्यवर्ती चरण की आवश्यकता नहीं थी, मेरा काम अंग्रेजी का उत्पादन करना था, इसलिए हमने अब्राहम के जीवन के लिए पूरी तरह से अंग्रेजी का इस्तेमाल किया, हमने इसहाक और याकूब के जीवन के लिए पूरी तरह से अंग्रेजी का इस्तेमाल किया, जोसेफ के जीवन के लिए, और उस अंग्रेजी मॉडल ने इन बाइबिल कहानियों के लिए अनुवाद प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद की, तो यही एक प्रारंभिक अनुवाद है, इसलिए यह इसे आसान बनाता है, किससे शुरू करना है? अंतःभाषिक, इसलिए यदि हम स्वाहिली में पढ़ रहे थे, तो हमारे पास एक सरलीकृत स्वाहिली होगी जिसे फिर अनुवाद में अनुकूलित किया जा सकता है। यह पहला प्रारूप प्राप्त करने का एक और तरीका है, इसलिए यदि आप पहला प्रारूप देखते हैं, और कुछ तैयार करना वास्तव में कठिन है, तो आप खाली पृष्ठ को देखते हैं और सोचते हैं, मैं मार्क के अध्याय एक का अनुवाद कैसे करूंगा, और कभी-कभी वह खाली पृष्ठ डरावना होता है, आप उसे देखते हैं, और यह हमारे अनुवादकों को डराता है, यह अन्य लोगों को भी डराता है, न केवल हमारे अनुवादकों को, बल्कि यह डरावना हो सकता है, और इसलिए यह कागज पर कुछ लिखने का एक तरीका है ताकि वे उसके साथ काम कर सकें, इसलिए आप उपयुक्त शब्दावली प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

एक चीज़ जिस पर आप काम करते हैं वह है वाक्यों की लंबाई, और अगर आप पॉल के पत्रों को देखें, तो वाक्य लगभग 10 छंदों तक चलते हैं, यह एक वाक्य की तरह है, और आप सोचते हैं, यार, यह बहुत ज़्यादा है, और इसलिए हमें क्या करना चाहिए? हमें इसे तोड़ने की ज़रूरत है, और इसलिए एक फ्रंट ट्रांसलेशन तैयार करते हुए, आप वाक्यों को तोड़ेंगे और उन्हें एक उचित लंबाई देंगे, और अध्ययनों से पता चला है कि अधिकांश भाषाओं में, वाक्य, जब लोग स्वाभाविक रूप से बात करते हैं, या वे कोई कहानी या कुछ और बता रहे होते हैं, तो लगभग 10 से 15 शब्द होते हैं। अब, हम धार्मिक रूप से बीन गिनने और गिनने का काम नहीं कर रहे हैं, ओह, यह 14 शब्द हैं, यह ठीक है, यह 15 है, यह सीमांत 16 है, यह बहुत अधिक है, नहीं, लेकिन यह एक मोटा अनुमान है, यह एक प्रारंभिक अनुवाद है, आप वाक्यों की उचित लंबाई बनाने की कोशिश करते हैं, आप व्याकरण को सरल बना सकते हैं, और आप अवधारणाओं को एक साथ जोड़ सकते हैं, और यदि स्पष्टता के लिए आवश्यक हो तो आप अधिक जानकारी जोड़ सकते हैं, इसलिए उदाहरण के लिए, यदि आपके पास है, तो वे जॉर्डन तक गए, और यही पाठ कहता है, जॉर्डन क्या है? जॉर्डन नदी, इसलिए आपने वहां नदी शब्द जोड़ा। क्या आप पाठ में कुछ ऐसा जोड़ रहे हैं जो वहां नहीं होना चाहिए? नहीं, आप स्पष्ट कर रहे हैं, और इसलिए आप इस तरह की जानकारी जोड़ सकते हैं, या नासरत के बजाय नासरत शहर, ताकि आप इसे पहले अनुवाद में कर सकें, और फिर यह अनुवादकों की मदद करता है, और फिर स्वर भी, इस पाठ का स्वर क्या है, और स्वर बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है, और अगर हम स्वर गलत करते हैं, तो शायद अनुवाद गलत संदेश का संचार कर रहा होगा। स्वर से हमारा क्या मतलब है? खैर, आपके पास फिलिपियों में है, आप इसे पढ़ते हैं, और पॉल छंद 7 और 8 में कहते हैं, मेरे लिए आपके बारे में

इस तरह से सोचना बहुत उपयुक्त है क्योंकि मेरे दिल में आप हैं, मैं आप लोगों से प्यार करता हूँ, मैं आपके साथ था, हमने साथ मिलकर बहुत मेहनत की, जब मैं जेल में था तब भी आप मेरा समर्थन कर रहे थे, और आप पत्र के पूरे स्वर को बता सकते हैं कि वह उन लोगों के लिए एक दोस्त है जिनकी वह परवाह करता है।

पॉल ने गलातियों को लिखा, अध्याय 3, श्लोक 1, तुम मूर्ख गलातियों, जिन्होंने तुम्हें इस बकवास पर विश्वास करने के लिए बहकाया, क्या तुम, जब था, ठीक है, तो वह जाता है और वह सिर्फ उस पर चिल्लाता है, ठीक है, तो हम उस बिंदु पर शब्दों का अनुवाद नहीं कर रहे हैं, हम पॉल के संदेश की सामग्री के अलावा पॉल के संदेश के लहजे का अनुवाद कर रहे हैं, इसलिए हम इसे ध्यान में रखते हैं क्योंकि हम इस प्रारंभिक अनुवाद को तैयार करते हैं, और फिर जैसे ही हम अनुवाद में अन्य चरणों में जाते हैं, हम अभी भी इसे ध्यान में रखते हैं, यह पत्र का एक कठोर फटकार वाला भाग है, यह पूरा पत्र नहीं हो सकता है, लेकिन कम से कम इसका वह हिस्सा है, हम इसका अनुवाद कैसे करने जा रहे हैं ताकि आज इसे पढ़ने वाले लोग यह समझ सकें कि पॉल इन लोगों से वास्तव में परेशान था, कुछ ध्यान में रखने योग्य बात है, और मुझे नहीं पता कि आपने इसे शुरू से देखा है या नहीं, लेकिन जब आप अनुवाद करते हैं तो हमारे पास ध्यान में रखने के लिए बहुत सी चीजें होती हैं और हमें इस बात का ध्यान रखना है, ठीक है, तो मैं सलाहकार जाँच के बारे में बात करता हूँ, तो यह अंतिम प्रतिक्रिया चरण में होता है, सलाहकार आमतौर पर एक वरिष्ठ संपादक होता है, या वे एक वरिष्ठ संपादक की तरह काम करते हैं, और वे टीम को एक अच्छा मसौदा तैयार करने में मदद करते हैं, वे पाठक के लिए पाठ को फिट करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए उदाहरण के लिए, यदि आप बाइबिल की कहानियाँ बना रहे हैं, तो आप चाहते हैं कि बाइबिल की कहानियाँ उन लोगों के अनुकूल हों जिनके लिए आप बाइबिल की कहानियाँ लिख रहे हैं, इसलिए उदाहरण के लिए, यदि आप बच्चों के लिए बाइबिल की कहानियाँ बना रहे थे, तो आप, सलाहकार टीम की मदद करना चाहेंगे कि वाक्य कितना लंबा है, क्या वाक्य एक साथ प्रवाहित होते हैं, क्या हम अतिरिक्त शब्दों को हटा सकते हैं, क्या हम व्याकरण को सरल बना सकते हैं, क्या हम पैराग्राफ के बीच प्रवाह की जाँच कर सकते हैं, क्या हम पूरी कहानी को समग्र रूप से देख सकते हैं, और सुनिश्चित कर सकते हैं कि पूरी कहानी अच्छी तरह से एक साथ जुड़ी हुई है, और पूरी कहानी के माध्यम से विचारों की एक तार्किक श्रृंखला है, यह एक कहानी के लिए होगा, अगर यह एक कथा है, तो यह एक बात है, अगर यह पॉल के पत्र हैं, तो हम शायद बच्चों के लिए ऐसा नहीं करेंगे, लेकिन हम और एक ही तरह के सवाल पूछें, एक बार जब यह हो जाता है, तब टीम फिर से ड्राइंग बोर्ड पर जाती है, और वे सलाहकार से सिफारिशों को लागू करने की कोशिश करते हैं ताकि वे फिर एक बेहतर गुणवत्ता वाला अनुवाद तैयार कर सकें, इसलिए उस संबंध में, सलाहकार अंग्रेजी शिक्षक नहीं है जो आपके पेपर पर लाल कलम से निशान लगाता है, सलाहकार टीम की मदद करने के लिए होता है a, बेहतर समझने के लिए, b, उनकी भाषा में अच्छी तरह से संवाद करने के लिए, और c, जहां आवश्यक हो वहां उपयुक्त अनुवाद सिद्धांतों को लागू करने के लिए, ताकि वे फिर एक अच्छा पाठ प्राप्त कर सकें, और इसलिए सलाहकार जाँच में यही होता है, ठीक है, तो मुझे यहीं रुकना चाहिए। यह

डॉ। जॉर्ज पायटन बाइबल अनुवाद पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 4 है, अनुवाद में कदम।